ख्रीष्ट महाविद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में हिंदी भाषा और साहित्य विभाग का महत्व

डॉ. कविता जेना

विभागाध्यक्षा, हिंदी भाषा और साहित्य विभाग

75 साल के गौरवमय ख्रीष्ट महाविद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में हमारे हिंदी भाषा और साहित्य विभाग का अपना एक स्वतंत्र स्थान है। स्वतंत्रता के पूर्व अर्थात् सन् 1944 में स्थापित ख्रीष्ट महाविद्यालय उच्चत्तर शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। जिसमें हिंदी विभाग भी अपना सहयोग देता रहा है। हिंदी विभाग का इतिहास ही दर्शाता है कि इसने सदा से ही इस महान् ख्रीष्ट महाविद्यालय के उत्थान और विकास में हिंदी भाषा की वृद्धि, प्रचार और प्रसार करके अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। ओड़िशा जैसे एक अहिंदी भाषी प्रदेश की ओर से हिंदी विभाग ख्रीष्ट महाविद्यालय को सदा गौरवान्वित किया है।

वस्तुत: हिदी भाषा सरल और सुबोध है। हिंदी में अद्‌भुत संप्रेषण शक्ति है। संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की खुवियत सर्वबिदित है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी विभिन्न भाषा-भाषी लोगों के बीच में संपर्क स्थापित करने का साधन रही है और उसने देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोया। राष्ट्रीय एकता की सिद्धि में हिंदी की भूमिका को कोई नकार नहीं सकता। भारत जैसे बहुभाषी देश में इसी एकता की भावना को दृढ करने के लिए ही भारतीय संवीधान ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा के रूंप में स्वीकार किया। तब से समग्र भारत में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विभिन्न स्तरों पर भिन्न-भिन्न पाठ्यक्रमों के तहत हिंदी भाषा और साहित्य को सम्मिलित किया गया। विश्वविद्यालय आयोग के भाषा और शिक्षा संबंधी सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए सन् 1957 से ही ख्रीष्ट महाविद्यालय में हिंदी भाषा और साहित्य का विभाग खोला गया। प्रो० श्री वाचस्पति त्रिपाठी जिसके प्रथम विभागाध्यक्ष के रूप में अपना शिक्षादान आरंभ किया। सन् 1957 से लेकर सन् 2003 अक्तुबर तक हिंदी अनिवार्य विषय (एम.आई.एल) एवं पास विषय के रूप में क्रमश: इंटरमिडियट एवं डिग्री की विभिन्न कक्षाओं में अत्यंत सफलता के साथ पढ़ाया जाता रहा। सन् 2003 और नवंबर का महिना हिंदी विभाग के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा; क्योंकि इसी वर्ष अर्थात् शिक्षा सत्र 2003 और 2004 के लिए पहली बार उत्कल विश्वविद्यालय की ओर से हिंदी को सम्मान (Honours) विषय के रूप में पढाने के लिए विभाग को उच्चशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार की ओर से 16 सिटों के लिए स्वीकृति मिली। शिक्षा-सत्र का Mid-term होते हुए भी 11 विद्यार्थियों ने हिंदी ऑनर्स को अपना विषय चुनकर अध्ययन करने लगे। शिक्षा सत्र के अंतिम वर्ष 2007 में इन्हीं विद्यार्थियों में से तीन विद्यार्थियों ने उत्कल विश्वविद्यालय की परीक्षा मे क्रमश: सुश्री तृप्तिमयी परिड़ा (तृतीय स्थान), श्री वाई.श्रीनू राय (षष्ठ स्थान) और सुश्री मधुस्मिता पंड़ा (दशम स्थान) प्राप्त करके युनिवरसिटी मेधा तालिका में अपना नाम दर्ज कराके न केवल हिंदी विभाग को बल्कि ख्रीष्ट महाविद्यालय को भी गौरवान्वित किया। तत्पश्चात् इसी प्रकार से हिंदी के कई विद्यार्थियों ने उत्कल विश्वविद्यालय की परीक्षा में हिंदी ऑनर्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त करते हुए मेधा तालिका में अपना नाम दर्ज कराके विभाग को कई बार गौरवान्वित करते आ रहे हैं। कला-साहित्य के अलावा क्रीड़ा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिताओं में हमारे विद्यार्थी भाग लेकर कृतित्व अर्जन करके विभाग का नाम रोशन करते हैं। संप्रति तीन प्राध्यापिका, एक प्राध्यापक और 50 विद्यार्थियों से भरा हमारा हिंदी विभाग परिवार निरंतर उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है।

कार्यरत विभागीय प्राध्यापकों की सूची

	प्राध्यापक वर्ग		योग्यता
1.	डॉ कविता जेना	-	एम.ए, एम.फिल, पीएच.डी (हिंदी)
2.	डॉ रफिआ रुबाब	-	एम.ए, पीएच.डी (हिंदी)
3.	डॉ आर्य कुमार हर्षवर्धन	-	एम.ए, पीएच.डी (हिंदी)

4. सुश्री जे. सुगंधा – एम.ए, एम.फिल (हिंदी)

विभागीय प्राध्यापकों की सूची कालक्रमानुसार इस प्रकार हैं –

1. श्री वाचस्पति त्रिपाठी – (सन् 1957 - 1959)
2. डा० सुरेशचंद्र नंद – (1959 - 1989)
3. श्री सय्यद अफसर अली – (1981 - 2001)
4. डॉ० बलराम मिश्र – (25.10.1991 - 31.08.1992)
5. डॉ० सनातन बेहेरा – (1993 - 2001)
6. डॉ० ममता खंडाल – (2001 - 2004)
7. डा० कविता जेना – (2001 से अबतक)
8. डॉ० रफिया रुबाब – (2004 से अबतक)
9. डॉ० आर्य कुमार हर्षवर्धन – (2005 से अबतक)
10. सुश्री सागरिका षडंगी – (11.01.2007 - 28.02.2008)
11. सुश्री सबा परवीन – (16.09.2014 - 28.02.2015)
12. सुश्री जे० सुगंधा – (2018 से अबतक)

हिंदी विभाग की विभिन्न गतिविधियाँ

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए हिंदी विभाग में सालाना विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। जैसे –

1. शिक्षा–सत्र के आरंभ में प्रति वर्ष नवागत विद्यार्थियों के लिए विभाग में स्वागत समारोह का आयोजन बड़े ही धूम–धाम के साथ किया जाता है।
2. 14 सितम्बर के शुभ दिन को विभाग में हिंदी दिवस का समारोह प्रतिवर्ष मनाया जाता है। जिसके लिए कविता पाठ की प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं आलेख पाठ प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है। ''हिंदी पखवाड़ा'' का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें ख्याति संपन्न भाषाविद्, प्राध्यापकों को निमंत्रित किया जाता है।
3. विद्यार्थियों के शैक्षक विकास के लिए विभाग में सर्वप्रथम वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन शिक्षा–सत्र 2001-2002 में आरंभ हुआ था और तब से विभाग में साप्ताहिकी, मासिक, वार्षिक आदि विभिन्न हिंदी संगष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राज्य के विभिनन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के गुणी–विद्वानों को मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में आमंत्रित किया जाता है। इस तरह की संगोष्ठियों में विद्यार्थी भी प्रत्यक्ष भाग लेकर अपना अलेख पाठ प्रस्तुत करते हैं। कृति पाठक एवं पाठिकाओं को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित भी किया जाता है।
4. गणेश पूजा,सरस्वती पूजा, रक्षा बंधन, मित्रता दिवस, गुरु दिवस आदि विभाग में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
5. हिंदी विभाग के विद्यार्थी केवल हिंदी ही नहीं बल्कि अन्य पाठेतर विषयों में भी रुची रखते हैं। राज्य स्तरीय, राष्ट्र स्तरीय तथा अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर क्रीडा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विजयी भी हुए हैं। नृत्य और संगीत के सालाना जश्न में भी अपना जलवा दिखाते हैं।
6. हिंदी विभाग का अपना एक स्वतंत्र पाठागार है। जहाँ ऑनर्स के विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार के उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं।

प्रोत्साहन (Motivation)

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा सत्र 2002-2003 से प्रतिवर्ष विभाग की ओर से सवार्धिक अंक प्राप्त हिंदी स्नातक को 'डॉ० सुरेशचन्द्रं नदं स्मारक स्वर्ण पदक' प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार डॉ० नंदजी की धर्मपत्नी द्वारा दिए गए 10,000/– रुपये की धनराशि से दिया जाता है।

डॉ० सुरेशचंद्र नंद स्मारक स्वर्णपदक विजेताओं की सूची सत्रानुसार निम्नप्रकार हैं –

+३ हिंदी पास के विद्यार्थी

क्रम	शिक्षा-सत्र	विद्यार्थियों के नाम
1.	2002 - 03	सुश्री मिहिका राय
2.	2003 - 04	श्री विकास कुमार गुप्ता
3.	2004 - 05	श्री सय्यद नकीब हुसैन
4.	2005 - 06	सुश्री रोजालीन बेहेरा

+३ हिंदी सम्मान

5.	2006 - 07	श्री पवन कमानी
6.	2007 - 08	सुश्री जाफ्रिन तराना
7.	2008 - 09	सुश्री नाजनीन निशा
8.	2009 - 10	सुश्री सुल्ताना परवीन
9.	2010 - 11	सुश्री रेश्मा निशा
10.	2011 - 12	सुश्री निरुपमा महारणा
11.	2012 - 13	सुश्री नुस्रत बीबी
12.	2013 - 14	सुश्री आफ्रीन आरा
13.	2014 - 15	श्री राजकमल यादव
14.	2015 - 16	सुश्री धरित्री मुदुलि
15.	2016 - 17	सुश्री ज्योति झा
16.	2017 - 18	सुश्री रोजालीन साहु
17.	2018 - 19	श्री चिन्मय कुमार महांति

हिंदी विभाग की उपलब्धियाँ (Achievements)

सन् 2003 से हिंदी सम्मान (ऑनर्स) विषय के रूप में ख्रीष्ट महाविद्यालय के हिंदी में डिग्री की कक्षाओं में पढाई जा रही है। तब से लेकर आजतक यहाँ के विद्यार्थियों ने कई बार उत्कल विश्वविद्यालय की परिक्षाओं में हिंदी ऑनर्स में प्रथम स्थान पर प्रथम रहकर विभाग के लिए गौरव अर्जन किया है। कृति विद्यार्थियों की सूची दी जा रही है –

हिंदी टॉपर : उत्कल विश्वविद्यालय

1.	2011 - 12	सुश्री निरुपमा महारणा
2.	2013 - 14	सुश्री आफ्रीन आरा
3.	2016 - 17	सुश्री ज्योति झा
4.	2018 - 19	श्री चिन्मय कुमार महांति

हिंदी में वेस्ट टेन्थ : उत्कल विश्वविद्यालय

1. सन् 2007 – सुश्री तृप्तिमयी परिड़ा (तृतीय स्थान)
2. सन् 2007 – सुश्री वाई.श्रीनु राय (षष्ठ स्थान)
3. सन् 2007 – सुश्री मधुस्मिता पंडा (दशम स्थान)

ख्रीष्ट महाविद्यालय का हिंदी विभाग आज परिपक्व हो गया है। पिछले कई वर्षों से ख्रीष्ट महाविद्यालय के पटल पर हिंदी विभाग की छवि उजली होकर उभरी है। साल दर साल हिंदी विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कल विश्वविद्यालय में अपनी उपलब्धियों से खूब नाम कमाया है। आगे भी इसी तरह हमारा हिंदी विभाग शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना नाम उज्ज्वल करता रहे, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।

* * *